प्रदान
Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE
FOR DEVELOPMENT ACTION

Gumla

आम बागवानी प्रशिक्षण पुस्तिका

आम बागवानी- प्रशिक्षण पुस्तिका

प्रदान Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE FOR DEVELOPMENT ACTION

जमीन का चुनाव :

प्रदान Pradan
PROFESSIONAL ASSISTANCE FOR DEVELOPMENT ACTION

ध्यान देने योग्य बातें :

- सही तरीका से बगान का निगरानी के लिए जमीन का चुनाव गाँव या टोला के नजदीक करना है।
- बगान के लिए सिंचित जमीन का ही चुनाव करना है।
- जमीन का चुनाव करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि 4 से 5 किसानों का जमीन एक जगह में हो।
- छायेदार जगह में जमीन का चुनाव नहीं करना है।

गड्ढा खुदाई के लिए जमीन मापी

प्रदान Pradan
PROFESSIONAL ASSISTANCE FOR DEVELOPMENT ACTION

- फरवरी महीना में गड्ढा खुदाई के लिए जमीन मापी शुरु कर देना है।
- पहला गड्ढा किनारे से 10 फी० छोड़कर करना चाहिए।
- दो गड्ढों के बीच में 20फी० X 20 फी० की दूरी होना चाहिए।
- जमीन मापी जमीन के सीधे वाले बड़े किनारे से शुरु करना चाहिए।

गड्ढा खुदाई एवं आकार

PROFESSIONAL ASSISTANCE FOR DEVELOPMENT ACTION

प्रदान Pradan

- फलदार पौधा के लिए 1मी0 लम्बा 1मी0 चौड़ा एवं 1मी0 गहरा गड्ढा खोदाई करना है।
- वनीय पौधा के लिए 1फी0 लम्बा 1फी0 चौड़ा एवं 1फी0 गहरा गड्ढा कोड़ना है।
- एक आदमी एक दिन में फलदार वृक्ष के लिए 4 गड्ढे एवं वनीय वृक्ष के लिए 120 गड्ढे खोद सकता है।
- गड्ढा खुदाई के समय उपरी मिट्टी एवं मध्य मिट्टी को अलग अलग रखें गड्ढे को भरते समय उपरी मिट्टी को अन्दर डालें और मध्य मिट्टी को उपर डाले।
- पत्थरों को छाँटकर किनारे रख दें।
- गड्ढे को कम से कम 20 से 30 दिन खुले धूप में छोड़ दें। ऐसा करने से मिट्टी में पाए जाने वाले कीटाणु मर जाएगें और अन्दर वाले मिट्टी को हवा प्रवाह मिलेगा।

घेरा

PROFESSIONAL ASSISTANCE FOR DEVELOPMENT ACTION

प्रदान Pradan

- जीवित घेरा: सिन्दुवार, पुटुस या थेथर का पौधा को बाँस के साथ बाँध कर बारिस के मौसम में लगाया जा सकता है। धीरे-धीरे ये मजबूत घेरा बन जाएगा।
- सूखा घेरा: ये घेरा किसी भी सुखी शाखा को बाँस के साथ बाँध कर लगाया जा सकता है।बाँस या कोई भी खुटा को घेरा पर सहयोग के लिए बनाया जा सकता है।
- पेड़ आने से पहले घेरा बना लेना चाहिए ताकि पेड़ों का बचाव हो सके।
- बरसात के दौरान जीवित घेरा में वनीय पौधा या जलावन वाले पेड़ जैसे गम्हार, टीक, ग्लेरिसिडिया, को लगाया जा सकता है।

खाद का प्रयोग

PROFESSIONAL ASSISTANCE FOR DEVELOPMENT ACTION

प्रदान Pradan

हड्डी चूर्ण

- बारीक हड्डी चूर्ण को खाद के रुप में प्रयोग करना है। 1 किलो प्रति गड्ढा में हड्डी चूर्ण देने से फॉस्फेट 23% से 30% और नाईट्रोजन 2% से 4% मिलेगा इसका खर्च 20 रु0 प्रति किलो पड़ेगा।

नीम खल्ली.

- इसे भी 1 किलो प्रति गड्ढा देना चाहिए।
- इसका खर्च 17 रु0 प्रति किलोग्राम पड़ेगा ।

केंचुआ खाद.

- चूकि इसकी ज्यादा जरुरत होती है, इसे 10 से 15 किलोग्राम प्रति गड्ढा देना है। पता करना, मंगाना एवं रखना एक चैलेंज है।दूसरे जगह से मंगाने में समय एवं खर्च ज्यादा लगता है। अत: घर में केंचुआ खाद का उत्पादन करना चाहिए।

खाद का प्रयोग

PROFESSIONAL ASSISTANCE FOR DEVELOPMENT ACTION

प्रदान Pradan

- गड्ढा कोड़ाई के बाद केंचुआ खाद को ट्राइकोडर्मा के साथ मिलाकर 15 दिन रखें।
  - 100 किलो केंचुआ खाद में 1 किलोग्राम ट्राइकोडर्मा मिलाएँ।
  - खाद का ढेर बनाकर भीगें हुए सुतरी बोरा से ढँक देना चाहिए।
  - 7 दिनों के बाद ढेर को उलट–पलट कर दें।
  - 15 दिनों में खाद तैयार हो जाएगा।
  - अगर गड्ढा तैयार न हो तो खाद को ठंढे छायादार जगह में रख दें।
- 30 दिन गड्ढा सूखने के बाद गड्ढ़ों को भर दें।
  - गड्ढे के अन्दर 1 फी0 खरपतवार को डालें।
  - खाद में 15 किलोग्राम केंचुआ खाद या 30 किलोग्राम गोबर खाद डालें।
  - 1 किलोग्राम नीम खल्ली या करंज खल्ली डालें ।
  - हड्डी चूर्ण 1 किलोग्राम या रॉक फास्फेट 4 किलोग्राम डालें।
  - चूना 2किलोग्राम प्रति गड्ढा में डालें ।
- गड्ढा के भीतरी दिवाल में दीमकनाशी बायफलेक्स टी सी 3 मिली0 /5 ली0 पानी या क्लोरोपाइरीफोस 3मिली0/ली0 पानी स्प्रे करें।
- बरसात आने से पहले गड्ढा भराई कर देना चाहिए।

भराई के लिए तैयार सूखा गड्ढा

पौधा रोपने से पहले उपचार

प्रदान Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE FOR DEVELOPMENT ACTION

पौधा रोपने से पहले जड़ वाले भाग को बाइफ्लेक्स टी0 सी0 1 मिली0 /ली0 पानी से या क्लोरापाइरीफोस 3 मिली0/ली0 पानी से भिंगोएँ या स्प्रे करें।

पौधों को खेत में ले जाना

प्रदान Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE
FOR DEVELOPMENT ACTION

पौधों की रोपाई

प्रदान Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE FOR DEVELOPMENT ACTION

- पहली बरसात गिरने के बाद मिट्टी में हल्की नमी होने पर पौधा रोपाई कर देना चाहिए। संभवत: जुलाई महीने तक।
- गड्ढा के ठीक बीचो बीच-पौधे के जड़ में लगे मिट्टी उतना हल्का गड्ढा कोड़कर पौधे के जड़ वाले भाग को गाड़ देगें। एवं उपर से मिट्टी डालकर अच्छी तरह से दबा देना है।

घेरा के किनारे जंगली पौधों की रोपाई

PROFESSIONAL ASSISTANCE FOR DEVELOPMENT ACTION

प्रदान Pradan

भविष्य मे घेरा के लिए एवं आम पौधे को जोर हवा से बचाव के लिए शीशम, सागवान, गम्हार या हरित खाद के रुप में ग्लीरिसिडिया को जुलाई अगस्त में लगा देना है।

बगान में खेती

प्रदान Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE FOR DEVELOPMENT ACTION

- सिचिंत एवं घेरा किए हुए जमीन बहूमूल्य होता है।
- इस तरह आधा एकड़ जमीन से एक मौसम में 7,000 से 10,000 रूपया तक का आमदनी कर सकते है।
- बागवानी में खेती के जरीए किसान का रुचि बना रहेगा और बागान का देख–रेख भी होगा।
- इससे फल नही लेनेवाला पहला तीन साल में भी आमदनी आती रहेगी।
- अन्त: फसल का चुनाव परिवार की जरुरत, मौसम एवं बाजार के हिसाब से किया जाना चाहिए।

रोपाई के बाद देख रेख: 1 साल के पौधे में

PROFESSIONAL ASSISTANCE FOR DEVELOPMENT ACTION

प्रदान Pradan

बरसात के मौसम में (जुलाई से अक्टूबर)

- जड़ के किनारे कम से कम 2 बार कोड़ा खाभा करे। 75 ग्रा0 एन. पी. के. खाद (10:26:26) प्रति पौधा हर बार कोड़ा खाना के बाद प्रयोग करें।
- अगस्त से अक्टूबर तक हर महीना एक बार बाइफलेक्स टी सी 1 मिली या लीथल सुपर 2मिली प्रति ली0 पानी में मिलाकर जड़ के किनारे प्रयोग करे।
- अगस्त से अक्टूबर तक हर महीना एक बार कम्पेनियन या साफ 2 ग्रा0/ली0 पानी में मिलाकर पत्ते पर छिड़काव करें।
- पौधा को तना छेदक से बचाने के लिए सेविन या साइपरमेथ्रीन 2 ग्रा0/ली0 पानी में मिलाकर जुलाई महीना में छिड़काव करें।
- बागान में अन्त: फसल जरुर लगाए।
- पौधा लगने के तुरन्त बाद हवा से बचाव के लिए H आकार का खूंटा लगाना है।

H आकार का खूँटा

बगान में खेती

रोपाई के बाद देख रेख : 1 साल के पौधे में

PROFESSIONAL ASSISTANCE FOR DEVELOPMENT ACTION

प्रदान Pradan

ठंढा मौसम में(नवम्बर से फरवरी)

- जड़ के किनारे जमीन में तिरछा छेद करके दीमक रोधी दवा जैसे लीथल 2 मि0ली0/ली0 या सुपर लीथल 1 मि0ली0/ली0 या बायफ्लेक्स टी सी 1 मि0ली0/ली0 के हिसाब से हर महिना में एक बार देना है।
- सिंचाई दिसम्बर से हर सप्ताह गोल थल्ला बनाकर नाली में पानी देना है।
- थल्ला का मल्चिंग करंज पत्ता या घास या काला प्लास्टिक(50 माईक्रोन पतला) से करने से जमीन में नमी बना रहता है।
- मिलीबग लगे पत्ते एवं डाली को काटकर जला दें या कहीं दूर मिट्टी में गाड़ देना बहुत जरुरी है।
- मिलीबग से बचाने के लिए एकतारा 1 ग्रा0 / 3 ली0 पानी से या कोनफीडोर 1 मि0ली0 / 3 ली0 पानी से या मेटासिल 2 मि0ली0/1 ली0 पानी में मिलाकर छिड़काव करना जरुरी है।

रोपाई के बाद देख-रेख : 1 साल के पौधे में

PROFESSIONAL ASSISTANCE FOR DEVELOPMENT ACTION

प्रदान Pradan

ठंढा मौसम में (नवम्बर से फरवरी)

- तना का पेंटिग ब्लूकॉपर 3 ग्रा0 /1 ली0 पानी में मिलाकर करना है, ताकि हानिकारक सूक्ष्मजीव से फटे तना का बचाव हो सके।
- किचेनगार्डेन मिक्सचर का 3 ग्रा0/1 ली0 पानी में मिलाकर 15 दिन के अंतराल में 2 बार छिड़काव करना है जिससे सूक्ष्मतत्व के कमी को दूर किया जा सके।
- पौधा अचानक मरने एवं पत्ता सुखने से बचाने के लिए बेबिस्टिन का 2 ग्राम/ली0 पानी से 15 दिन के अन्तराल में 2 से 3 बार छिड़काव करना है।
- अन्त: फसल की खेती करते रहें।
- घेरा का मरम्मत करते रहना है।
- तीन साल तक के आम पौधा का फूल(मंजर) को सुरक कर हटाने के बाद सूख जाने पर फूल(मंजर)के डंठल को तोड़कर हटा देना अनिवार्य है।
- एच0 (H) आकार का खूँटा देना है।
- दो खूँटा को अलकतरा से रंगकर पौधा से डेढ़ फीट दूर खड़ा गाड़ करके पौधा के बीच में रखते हुए आपस में तीनों को एक लकड़ी से एक साथ बाँध देना है। पौधा लम्बा होने की स्थिति में दो जगह बाँधना हर हाल में जरुरी है।

रोपाई के बाद देख-रेख : 1 साल के पौधे में

PROFESSIONAL ASSISTANCE FOR DEVELOPMENT ACTION

प्रदान Pradan

गर्मी (मार्च से जून)

- मार्च और जून महीना में कोड़ा खाभा करना है एवं खाद देना है।
- निकला हुआ मंजर को सुरक देना है एवं जहाँ पानी का सुविधा है वहाँ पर अन्तः फसल जरुर करें।
- नमी को बनाए रखने के लिए मल्चींग करते रहना चाहिए।
- थल्ला में छेद करके दीमक नाशक दवा को प्रत्येक महीना देना है।

कोड़ा खाभा करना है एवं खाद देना

दीमक से नुकसान

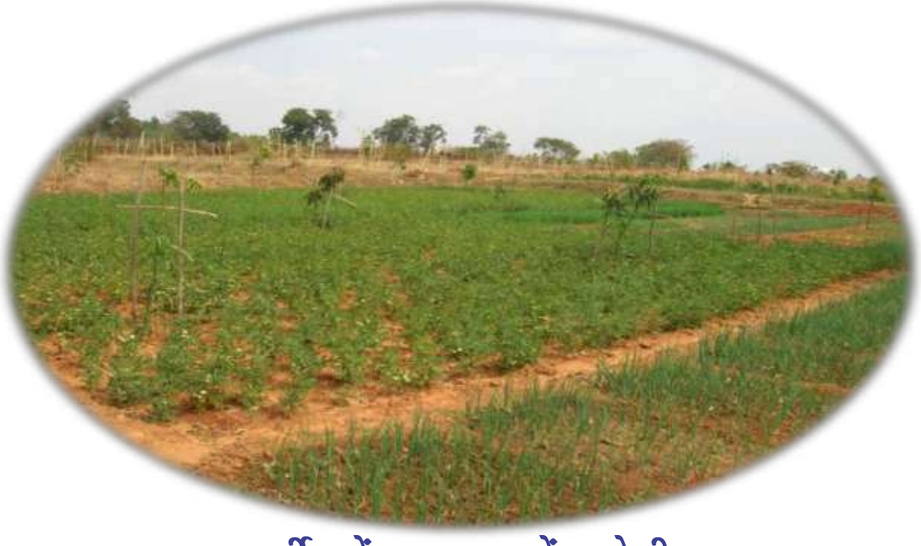

गर्मी में बगान में खेती

H आकार का खूँटा : पौधा को हवा से बचाव के लिए प्रयोग किया जाना चाहिए

PROFESSIONAL ASSISTANCE FOR DEVELOPMENT ACTION

प्रदान Pradan

मंजर को हटाए

H खूँटा

- पौधे को दो खूँटा से बंधे हुए बाँस के साथ अच्छी तरह से बाँध देना है।
- दीमक से बचाव के लिए दोनो खूँटा के नीचे जमीन के अन्दर वाले भाग को अलकतरा या जले हुए मोबील से रंग देना चाहिए।

2 से 4 साल के पौधे का देख रेख

प्रदान Pradan
PROFESSIONAL ASSISTANCE FOR DEVELOPMENT ACTION

बरसात के मौसम में (जुलाई से अक्टूबर)

- जड़ के किनारे कम से कम 2 बार कोड़ा खाभा करें। 100 ग्रा0 एन. पी. के. खाद (10:26:26) प्रति पौधा हर बार कोड़ा खाना के समय प्रयोग करें।
- अगस्त से अक्टूबर तक हर महीना एक बार बाइफलेक्स टी सी 1 मिली0 या लीथल सुपर 2मिली0 प्रति ली0 पानी में मिलाकर जड़ के किनारे प्रयोग करें।
- अगस्त से अक्टूबर तक हर महीना एक बार कम्पेनियन या साफ 2 ग्रा0 / ली0 पानी में मिलाकर पत्ते पर छिड़काव करें।
- बगान में अन्त: फसल जरुर लगाए।
- पौधा को हवा से बचाव के लिए H आकार का खूँटा लगाना है।
- जुलाई माह में कटाई छँटाई: अन्दर की तरफ बढ़ने वाले डाली को काट देना चाहिए। एवं बीच के मुख्य डाली को भी काट देना है।
- तना छेदक से बचाने के लिए सेविन या साईपरमेथ्रीन का 2 ग्रा0/ली0 पानी से स्प्रे करें।

फफूँद नाशक स्प्रे

2 से 4 साल के पौधे का देख-रेख

PROFESSIONAL ASSISTANCE FOR DEVELOPMENT ACTION

प्रदान Pradan

डाली काटने लायक पौधा

डाली छँटाई के बाद ब्लू कॉपर को पानी के साथ लेप लगाना

पैधा की कटाई-छँटाई

शाखाओं के बीच की डाली कटाई

- अन्दर की तरफ बढ़ने वाले डाली को काट देना चाहिए।
- बीच के मुख्य डाली को काट देना है।
- जमीन से 1 मी0 तक के सभी शाखाओं को काट देना है।
- सभी रोगग्रस्त एवं सुखे शाखओं को काट देना है।

2 से 4 साल के पौधे का देख-रेख

PROFESSIONAL ASSISTANCE FOR DEVELOPMENT ACTION

प्रदान Pradan

जाड़ा मौसम (नवम्बर से फरवरी):

- जड़ के किनारे जमीन में तिरछा छेद करके दीमक रोधी दवा जैसे लीथल 2 मि0ली0/ली0 या सुपर लीथल 1 मि0ली0/ली0 या बायफ्लेक्स टी सी 1 मि0ली0/ली0 के हिसाब से हर महीना में एक बार देना है।
- सिंचाई नवम्बर से हर सप्ताह गोल थल्ला बनाकर नाली में पानी देना है। लेकिन फल लेने वाले पौधा में जनवरी से सिंचाई तब तक रोक देना है जब तक फूल(मंजर) से फल मूंग आकार का न हो जाय। फल मूंग आकार का होने के बाद सिंचाई भरपुर करना है।
- थल्ला का मल्चिंग करंज पत्ता या घास या काला प्लास्टिक(50 माईक्रोन पतला) से करने से जमीन में नमी बना रहता है।
- मिलीबग लगे पत्ते एवं डाली को काटकर जला दें या कहीं दूर मिट्टी में गाड़ देना बहुत जरुरी है।

पानी एवं ब्लू कॉपर के साथ पौधा के तना को रंगना

2 से 4 साल के पौधे का देख-रेख

PROFESSIONAL ASSISTANCE FOR DEVELOPMENT ACTION

प्रदान Pradan

जाड़ा मौसम (नवम्बर से फरवरी):

अन्त:फसल की खेती

- मिलीबग से बचाने के लिए एकतारा 1 ग्रा0 /3 ली0 पानी या कोनफीडोर 1 मि0ली0 /3 ली0 पानी या मेटासिल 2 मि0ली0 /1 ली0 पानी में मिलाकर छिड़काव करना जरुरी है।
- तना का पेंटिग ब्लूकॉपर 3 ग्रा0 /1 ली0 पानी में मिलाकर करना है, ताकि हानिकारक सूक्ष्मजीव से फटे तना का बचाव हो सके।
- किचेनगार्डेन मिक्सचर का 3 ग्रा0/1 ली0 पानी में मिलाकर 15 दिन के अंतराल में 2 बार छिड़काव करना है जिससे सूक्ष्मतत्व के कमी को दूर किया जा सके।
- पौधा अचानक मरने एवं पत्ता सुखने से बचाने के लिए बेबिस्टिन का 2 ग्राम/ली0 पानी से 15 दिन के अन्तराल में 2 से 3 बार छिड़काव करना है।
- अन्त:फसल की खेती करते रहें।
- घेरा का मरम्मत करते रहना है।
- तीन साल तक के आम पौधा का फूल(मंजर) को सुरककर हटाने के बाद सुख जाने पर फूल(मंजर)के डंठल को तोड़कर हटा देना अनिवार्य है।
- एच0 (**H**) आकार का खूँटा का मरम्मत करते रहना है।

2 से 4 साल के पौधे का देख-रेख

PROFESSIONAL ASSISTANCE FOR DEVELOPMENT ACTION

प्रदान Pradan

गर्मी (मार्च से जून)

- मार्च एवं जून महीने में 2 बार गोबर खाद के साथ 60 ग्रा0 यूरिया देकर कोड़ा-खाभा करना है।
- गोलाकार थल्ला में सप्ताह में 2 बार सिचाई करें।
- नमी बनाए रखने के लिए मल्चींग करें।
- थल्ला में छेद करके दीमक नाशक दवा को प्रत्येक महीना देना है।

गर्मी में बगान खेती

चार साल से ज्यादा उम्र के बगान का देख- रेख

PROFESSIONAL ASSISTANCE FOR DEVELOPMENT ACTION

प्रदान Pradan

बारसात (जुलाई से अकटूबर)

- कोड़ा खाभा करके खरपतवार निकासी महीना में 2 बार करें।
- पहला कोड़ा खाभा करने के समय प्रत्येक पौधा में 300 ग्रा0 एन. पी. के. खाद (12:32:16) देना है। 5 वें साल से प्रत्येक साल 160 ग्रा0 प्रति पौधा में बढ़ाकर देना है।
- थल्ला में तिरछा छेदकर दीमक नाशी घोल को महीना में एक बार देना है।
- पत्ता में फफूँदनाशक जैसे:-कम्पेनियन, साफ या सीक्सर का 2ग्रा0/ली0 पानी से प्रत्येक महीना छिड़काव करना है।
- अन्त: फसल का देखभाल करते रहना।
- जुलाई माह में कटाई - छँटाई : अन्दर की तरफ बढ़ने वाले डाली को काट देना चाहिए।
- एवं बीच के मुख्य डाली को भी काट देना है।
- एकालक्स 2 ग्रा0 /ली0 के हिसाब से नए पत्ते एवं तना के उपरी भाग पर 15 अगस्त से 15 दिन के अन्तराल पर 2 बार स्प्रे करना है।
- तना छेदक से बचाने के लिए सेविन या साईपरमेथ्रीन का 2ग्रा0/ली0 पानी से स्प्रे करें।
- बैक्ट्रीयलकैन्कर से बचाव के लिए क्रोसीन ए0जी0 1ग्रा0/5 ली0 पानी से स्प्रे करें।
- फल तोड़ाई के बाद सुखे मंजर एवं फल डंठल को काट देना है।

अन्त: फसल

चार साल से ज्यादा उम्र के बगान का देख-रेख

PROFESSIONAL ASSISTANCE FOR DEVELOPMENT ACTION
प्रदान Pradan

जाड़ा मौसम (नवम्बर से फरवरी):

- थल्ला में तिरछा छेद करके दीमक रोधी दवा जैसे लीथल 2 मि0ली0/ली0 या सुपर लीथल 1 मि0ली0/ली0 या बायफ्लेक्स टी सी 1 मि0ली0/ली0 के हिसाब से हर महीना में एक बार देना है।
- थल्ला का मल्चिंग करंज पत्ता या घास या काला प्लास्टिक(50 माईक्रोन पतला) से करने से जमीन में नमी बना रहता है।
- सिंचाई नवम्बर से दिसम्बर तक हर सप्ताह गोल थल्ला बनाकर नाली में पानी देना है। जनवरी से सिंचाई तब तक रोक देना है जब तक फूल(मंजर) से फल मूंग आकार का न हो जाय। फल मूंग आकार का होने के बाद सिंचाई भरपुर करना है।
- मिलीबग लगे पत्ते एवं कोमल डाली को काटकर जला दें या कहीं दूर मिट्टी में गाड़ देना बहुत जरुरी है।

चार साल से ज्यादा उम्र के बगान का देख - रेख

PROFESSIONAL ASSISTANCE FOR DEVELOPMENT ACTION

प्रदान Pradan

पौधा अचानक मरना

फटे तना

जाड़ा मौसम (नवम्बर से फरवरी):

- मिलीबग से बचाने के लिए एकतारा 1 ग्रा0 /3 ली0 पानी या कोनफीडोर 1 मि0ली0 /3 ली0 पानी या मेटासिल 2 मि0ली0 /1 ली0 पानी में मिलाकर छिड़काव करना जरुरी है।
- तना का पेंटिग ब्लूकॉपर 3 ग्रा0 /1 ली0 पानी में मिलाकर करना है, ताकि हानिकारक सूक्ष्मजीव से फटे तना का बचाव हो सके।
- किचेनगार्डेन मिक्सचर का 3 ग्रा0/1 ली0 पानी में मिलाकर 15 दिन के अंतराल में 2 बार छिड़काव करना है जिससे सूक्ष्मतत्व के कमी को दूर किया जा सके।
- पौधा अचानक मरने एवं पत्ता सुखने से बचाने के लिए बेबिस्टिन का 2 ग्राम/ली0 पानी से 15 दिन के अन्तराल में 2 से 3 बार छिड़काव करना है।
- अन्त:फसल की खेती करते रहें।
- घेरा का मरम्मत करते रहना है।

चार साल से ज्यादा उम्र के बगान का देख - रेख

PROFESSIONAL ASSISTANCE FOR DEVELOPMENT ACTION

प्रदान Pradan

गर्मी (मार्च से जून)

- मार्च एवं जून महीने में 2 बार गोबर खाद के साथ 240 ग्रा0 यूरिया देकर कोड़ा खाभा करना है।
- गोल थल्ला बनाकर महीने में 2बार सिंचाई करें।
- नमी बनाए रखने के लिए थल्ला में मल्चींग करते रहें।
- प्रति माह थल्ला में तिरछा छेद कर दीमक नाशी दवा को डालें।
- फूल निकलने से पहले तना छेदक एवं पाउडरी मिल्ड्यू (एक तरह का फफूँद) से बचाने के लिए इकालक्स 2 ग्रा0/ली0 एवं एन्ट्राकॉल 1 ग्रा0/ली0 पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- अच्छे फल धारण के लिए किचेन गार्डेन मिक्चर 3 ग्रा0/ ली0 एवं प्लानोफिक्स 1ग्रा0/5ली0 पानी में मिलाकर फूल निकलने के समय में छिड़काव करें।
- मई महीने में पोटैशियम नाइट्रेट 10 ग्रा0/ली0 पानी का घोल बनाकर छिड़काव करें।
- फल पकने से एक महीना पहले हर 20 पौधा पीछे एक फेरोमन ट्रेप लगाएँ।
- फल मक्खी से बचाव एवं सुन्दर रंग का फल के लिए फल को अखबार या ब्राउन पेपर का थैला पहना दें।

कनचपड़ा कीड़ा द्वारा पत्ते को नुकसान

वृद्धि की पहचान : पौधे के सबसे नीचली डाली से 10 से0मी0 नीचे पौधे की मोटाई को नापना चाहिए पौधे की उँचाई उसकी वृद्धि का पहचान नहीं है

PROFESSIONAL ASSISTANCE FOR DEVELOPMENT ACTION

प्रदान Pradan

उम्र/साल में	0	1	2	3	4	5	5-10	10-25
पिछले साल के तुलना में मोटाई में वृद्धि(%)		200-300	80-100	50	>20	15	<10	2%
साल में कितने बार नए पत्ते आना चाहिए ।	6	3	3	3	2	2	2	2

फल तोड़ाई से एक महीना पहले फल को कागज का थैला पहनाना

प्रदान Pradan
PROFESSIONAL ASSISTANCE FOR DEVELOPMENT ACTION

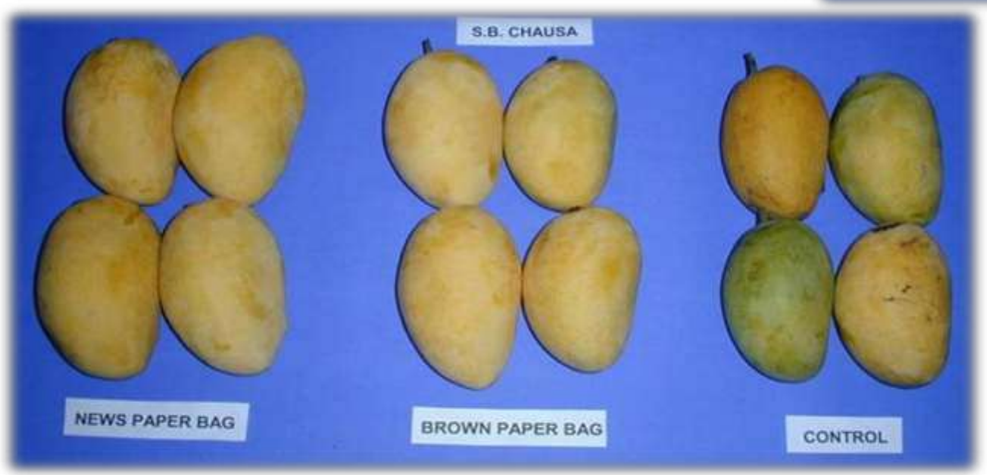

अखबार या ब्राउन पेपर का थैला पहनाने से फल देखने में सुन्दर एवं फल मक्खी से भी बचाव होता है।

फल तोड़ाई एव बिक्री

फल तोड़ने से पहले परिपक्व हुआ है या नही देखना चाहिए।

इसकी पहचान ये है कि फलों में हल्का पीला रंग आ जाता है।इसके अलावा हमलोग एक जाँच द्वारा भी परिपक्वता(तैयार फल)का अनुमान लगा सकते है। एक बाल्टी पानी में तैयार हुए एक फल को डालकर देखना है। अगर फल पानी में डूब जाता है तो तोड़ाई करना है। और पानी के सतह में फल तैरने लगे तो तोड़ाई नहीं करना है।

तोड़ाई के बाद का रख-रखाव

PROFESSIONAL ASSISTANCE FOR DEVELOPMENT ACTION

प्रदान Pradan

वजन के अनुसार फल का ग्रेडिंग	
ग्रेड	वजन (ग्राम में)
A	200 - 350
B	351 - 550
C	551 - 800

- तोड़े हुए फल को बाँस की चारी में उलट कर के 2 से 3 घंटे तक रखना है।इसका कारण यही है कि फल तोड़ने के बाद डंठी से निकलने वाले गाद आम पर न पड़े और दाग न लग सके।
- फल में पूर्ण रुप से पक्का हुआ रंग आने के लिए फल को इथोफोन 13मिली/10ली0 पानी के घोल में 10मिनट तक रखना चाहिए। तीन से चार दिन के बाद फल सुन्दर पीला रंग का दिखाई पड़ेगा।
- इसके बाद फल को वजन के अनुसार ए, बी, सी ग्रेड में अलग - अलग रखना है।
- पैकेट में डालने से पहले आम को 2 ग्राम/ली0 बेविस्टिन और पानी के घोल में डुबाकर कुछ समय तक रखना चाहिए।इससे फल ज्यादा दिन तक ताजा रहेगा। इसके बाद साफ सुती कपड़ा से अच्छी तरह साफ कर लेना है एवं कार्टून में सजाकर बिक्री के लिए भेज देना है। एक कार्टुन में एक ही ग्रेड के आम होना चाहिए।

परिवार की आमदनी

PROFESSIONAL ASSISTANCE FOR DEVELOPMENT ACTION

प्रदान Pradan

0.5 -1 एकड़ वाले परिवार का आम बागवानी

- बगान खेती से आमदनी : फल नही लेने वाले पहले 3 साल में प्रत्येक मौसम Rs. 7,000-10,000 आमदनी होती है।
- चौथे साल में प्रति पेड़ में 5 से 8 किलो आम फलेगा।जो परिवार 50 आम का पेड़ लागाया हो उसे 250 किलो आम का फल मिलेगा 30 रु0 की दर से बिक्री करने पर 7500 रु0 का आमदनी होगा।
- छठे साल में प्रति पेड़ में 30किलो आम फलेगा तो उसे कुल 1500 किलो आम मिलेगा और 45000 रु0 आमदनी होगा।

पौध का उम्र (साल में)	4	5	6	7	8
अनुमानित उपज(कि0ग्रा0/पौधा)	5	15	30	40	50
बेचने योग्य फल प्रति पौधा	30	90	180	240	300
आमदनी (रु0 में) प्रति पौधा	150	450	900	1200	1500

571_1213_Annapurna Press 0651-2331800